अच्छी खबर | तीनों तहसीलों में जल्द शुरू होगा काम, पराली, गेहूं के डंठलों व अन्य अवशेषों से बनाई जाएगी गैस

लगेगा कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र, मिली मंजूरी

संतकबीरनगर, निज संवाददाता। जिले के तीनों तहसीलों में लगने वाले सीबीजी प्लांट (कंप्रेस्ड बायो गैस संयत्र) को शासन से मंजूरी मिल गई है। जल्द ही इसका कार्य भी शुरू हो जाएगा। नेडा विभाग के देख-रेख में इस कार्य शुरू हो जाएगा। एक रिलायंस, एक इंडियन ऑयल और एक प्लांट ओएनजीसी कंपनी के द्वारा लगाया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी ने जमीन चिन्हित करते हुए शासन को पहले ही प्रस्ताव भेजा था। इसके बनने से जनपद में रोजगार का अवसर बढ़ेगा साथ ही फसल के अवशेष का भी निस्तारण हो सकेगा।

पूर्व जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने वर्ष 2023 में ही कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट के लिए तीनों तहसीलों खलीलाबाद, मेंहदावल और धनघटा में जमीन अवंटित करते हुए शासन को प्रस्ताव भेजा था। खलीलाबाद के परजूडीह में, मेंहदावल के अमरहा में और धनघटा के बगही में इसके लिए भूमि आवंटित हुई है। काफी समय से इसके स्वीकृति का इंतजार हो रहा था। अब इसे स्वीकृति मिल गई है। सीबीजी संयत्र के लिए धनघटा के बगही में ओएनजीसी एजेंसी के द्वारा कार्य कराया जाएगा। मेंहदावल में इंडियन ऑयल और खलीलाबाद का प्लांट रिलायंस कंपनी के द्वारा लगाया जाएगा। इसके बनने से आसपास के लोगों को रोजगार के साधन उपलब्ध होते साथ ही कचरे व गोबर से बिजली का उत्पादन होता। तीनों प्लांट के लगाने पर छह सौ करोड़ रुपया खर्च होगा। प्रतिदिन 60 टन गैस का उत्पादन होगा।

बायो गैस प्लांट का प्रस्तावित मॉडल।

> सीबीजी प्लांट स्थापना के लिए स्वीकृति मिल गई है। कंपनी भी तय हो गई है। जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। नेडा विभाग को इसके लिए निर्देश दिए गए हैं कि कंपनियों के जिम्मेदारों से सम्पर्क करते हुए जल्द से जल्द कार्य शुरू कराया जाए। -**आलोक कुमार**, जिलाधिकारी, संतकबीरनगर

06 करोड़ की लागत से स्थापित होगा सीबीजी प्लांट

60 टन प्रतिदिन उत्पादन की है क्षमता

प्लांट लगने से ये होंगे फायदे

- गोबर, कृषि अपशिष्ट, रसोई घर के कचरे आदि को कंपोस्ट, बायोगैस व बायो सीएनजी बनाया जाएगा।
- गोबर धन योजना से ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी।
- बायोगैस से खाना पकाने और प्रकाश के लिए ऊर्जा मिल सकेगी।
- किसानों व पशुपालकों की अतिरिक्त आमदनी का जरिया बनेगा।
- बिजली बनाने के बाद बचे अपशिष्ट का फसलों में भी प्रयोग कर सकेंगे।
- गोबर का प्रयोग बायोगैस प्लांट में किया जाएगा।
- गैस से गोशाला में बिजली, पानी व अन्य व्यवस्था पूरी होंगी।